भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 3528

उत्तर देने की तारीख - 11/08/2025

सोमवार, 20 श्रावण, 1947 (शक)

पीएमकेवीवाई के तहत नियोजित लाभार्थियों की संख्या

†3528. श्री पी.सी. मोहन:

श्री मड्डीला गुरूमूर्ति:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान कर्नाटक, विशेषकर बेंगलुरु में, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत प्रशिक्षत युवाओं की संख्या कितनी है;

(ख) इसी अवधि में उक्त योजना के अंतर्गत डिजिटल कौशल क्षेत्रों जैसे एआई, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, कोडिंग और साइबर सुरक्षा में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं की संख्या कितनी है;

(ग) डिजिटल कौशल क्षेत्रों में प्रशिक्षण के बाद कितने लाभार्थियों को रोजगार उद्यमिता के अवसर प्राप्त हुए;

(घ) क्या सरकार ने उक्त योजना के अंतर्गत डिजिटल कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने की प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के लिए कर्नाटक में निजी क्षेत्र के भागीदारों या शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग किया है और यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने राज्य में कौशल कार्यक्रमों की प्रभावशीलता और गुणवत्ता का आकलन करने के लिए कोई तृतीय-पक्ष ऑडिट कराया है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई), वर्ष 2015 से अपनी प्रमुख योजना प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) को लागू कर रहा है। पीएमकेवीवाई के तहत, देश भर के युवाओं को अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) के जरिए कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है और पूर्व अधिगम मान्यता (आरपीएल) के माध्यम से उनका पुनः कौशलीकरण और कौशलोन्नयन किया जाता है।

वित्त वर्ष 2022-23 से 30 जून 2025 तक, कर्नाटक में पीएमकेवीवाई के अंतर्गत कुल 96,319 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित/अभिविन्यस्त किया गया है जिनमें बेंगलुरु में प्रशिक्षित/अभिविन्यस्त 27,977 उम्मीदवार शामिल हैं।

(ख) पीएमकेवीवाई के अंतर्गत, वित्त वर्ष 2022-23 से 30 जून 2025 तक, कर्नाटक में कुल 32,945 उम्मीदवारों को डिजिटल कौशल क्षेत्रों जैसे एआई, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, कोडिंग और साइबर सुरक्षा आदि में प्रशिक्षित/अभिविन्यस्त किया गया है जिनमें बेंगलुरु में प्रशिक्षित/अभिविन्यस्त 13,984 उम्मीदवार शामिल हैं।

(ग) पीएमकेवीवाई स्कीम के अंतर्गत, वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2021-22 तक कार्यान्वित, स्कीम के पहले तीन संस्करणों, जो पीएमकेवीवाई 1.0, पीएमकेवीवाई 2.0 और पीएमकेवीवाई 3.0 हैं, में अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) घटक के अंतर्गत प्लेसमेंट को ट्रैक किया गया था। इन संस्करणों के अंतर्गत, कर्नाटक में कुल 74,225 उम्मीदवारों को प्लेसमेंट प्राप्त होने की सूचना थी। पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत, हमारे प्रशिक्षित उम्मीदवारों को अपने विविध करियर पथ चुनने के लिए सशक्त बनाने और उन्हें इसके लिए उपयुक्त रूप से अभिविन्यस्त करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

(घ) पीएमकेवीवाई 4.0, जो कि वर्ष 2022 से लागू स्कीम का नवीनतम संस्करण है, के अंतर्गत कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों के स्कूलों (जैसे केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, सीबीएसई से संबद्ध स्कूल), एआईसीटीई और यूजीसी से संबद्ध कॉलेजों सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और साथ ही उद्योग/उद्योग संघों के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

(ङ) नीति आयोग द्वारा अक्टूबर वर्ष 2020 में कर्नाटक सहित कई राज्यों में पीएमकेवीवाई 2.0 का मूल्यांकन किया गया था। इस अध्ययन के अनुसार, सर्वेक्षण में शामिल लगभग 94 प्रतिशत नियोक्ताओं ने बताया कि वे पीएमकेवीवाई के तहत प्रशिक्षित और अधिक उम्मीदवारों को नियुक्त करेंगे। इसके अलावा, पूर्णकालिक/अंशकालिक रोजगार में नियुक्त और आरपीएल घटक के अंतर्गत अभिविन्यस्त 52 प्रतिशत उम्मीदवारों को या तो अधिक वेतन मिला या उन्हें यह अनुभव हुआ कि उन्हें अपने अप्रमाणित सहकर्मियों की तुलना में अधिक वेतन मिलेगा।

इसके अलावा, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) द्वारा पीएमकेवीवाई 2.0 का एक तृतीय-पक्ष प्रभाव मूल्यांकन किया गया। इस मूल्यांकन के अनुसार, सर्वेक्षण किए गए लगभग 70.5% उम्मीदवारों को उनके अपेक्षित कौशल क्षेत्र में नियुक्ति मिली।

पीएमकेवीवाई 4.0 का तृतीय-पक्ष मूल्यांकन का कार्य दिनांक 04.08.2025 को अरुण जेटली नेशनल इंस्टीट्युट ऑफ फाइनेन्सियल मैनेजमेंट को सौंपा गया है।

*****